

v. a. schlagen M. 4, 164. VARĀH. BRH. S. 42 (43), 28. मय्येव — निपात-  
यिष्यति क्रूरं दण्डं प्राणापकारिणम् R. 5, 1, 80. शीर्षनिपातयिष्यामि सूर्यम्  
MBh. 13, 4618. अलक्तको यथा रक्तो निष्पीड्य पुरुषस्तथा । अबलाभिर्व-  
लाद्रक्तः पादमूले निपातयते ॥ Spr. 231. निपात्य तुङ्गाद्रिपुयूथनाथम् von  
der Höhe stürzen (bildlich) BHĀG. P. 3, 3, 1. (दानवाः) वशीभूताश्च मे सर्वे  
भूतले च निपातिताः MBh. 3, 634. MĀRK. P. 14, 62. नरके बलात्रिपात्यते  
BHĀG. P. 5, 26, 8. 9. निपातयन्नष्टदशं हि गर्ते 5, 15. स नो राज्ञा — न्यपात-  
यद्यसने in's Unglück stürzen MBh. 3, 1360. विषमविषयाङ्गरेषु निपा-  
त्यमानमात्मानं नावबुध्यसे PRAB. 102, 41. न — वृत्तः फलकाले निपात्यते  
R. 6, 38, 28. (नद्यः) निपातयत्यः — तद्गुमान् R. 2, 7. (तम्) ऊरो निपात्य  
विददार नखैः BHĀG. P. 2, 7, 14. उपरितलनिपातितेष्टक (संधि) MRĀKH. 81,  
18. मल्लम् — न्यपातयत् KATHĀS. 25, 124. निपातयति नद्यो हि कूलानि  
कुलानि नार्यः zum Sturz bringen (eig. und übertr.) PĀNĀT. I, 227. रक्त-  
विन्दुनिपातितः getröpfelt KATHĀS. 2, 10. विन्द्वो ज्ञातद्वपस्य शतं यस्मि-  
न् (धनुषि) निपातिताः getröpfelt auf so v. a. erhaben eingelegt MBh. 4,  
1325./auswerfen so v. a. ausspeien: गुडेन वर्धितः श्लेष्मा मुखं वृद्धा नि-  
पात्यते Spr. 438. (den Blick) fallen lassen, richten auf: यद्येष मयि सु-  
स्त्रिगंधां दृष्टिमग्य निपातयेत् MĀRK. P. 61, 41. — 2) niedermachen, tödten,  
um's Leben bringen: वामवो ऽप्यसुरान्सर्वात्रिर्त्रित्य निपात्य च MBh. 14,  
98. द्विजं (Vogel) दृष्ट्वा निषादेन निपातितम् R. 1, 2, 16. तुरगानस्य मार्गणैः  
न्यपातयत् 3, 33, 32. यथा सुते धातरि वा निपातिते R. GORR. 2, 45, 32.  
KATHĀS. 11, 60. 20, 199. 27, 45. 42, 127. 166. RĀGA-TAR. 5, 431. 6, 332.  
PĀNĀT. 23, 22. HIT. 11, 116. BHĀG. P. 1, 8, 10. MĀRK. P. 74, 41. PRAB.  
88, 7. मांसं अचण्डालक्रव्यादादिनिपातितम् so v. a. das Fleisch eines  
Thiers, das getödtet worden ist, JĀGĀ. 1, 192 = MĀRK. P. 35, 20. — 3)  
करान् Tribut erheben von (abl.): न चास्थाने न चाकाले करास्तेभ्यो नि-  
पातयेत् MBh. 12, 3313. — 4) in der Gramm. eine Erscheinung, die sich  
der allgemeinen Regel nicht fügt, fertig hinstellen, als Unregelmässig-  
keit besonders aufführen, Etwas als unregelmässig betrachten: अमाव-  
सोरहं एयतेनिपातयाम्यवृद्धिताम् KĀR. zu P. 3, 1, 122. एयदापादेश इत्ये-  
तावुपचाप्ये निपातितौ KĀR. 2. zu P. 3, 1, 123. नू इत्या ते दीर्घत्वं निपा-  
त्यते Schol. zu RV. PRĀT. 2, 35. Schol. zu VS. PRĀT. 3, 71 in Ind. St. 4,  
192. Schol. zu P. 3, 1, 41. 122. इत्येते (द्योत्स्ना u. s. w.) मत्वर्थे संज्ञायौ  
निपात्यते Schol. zu P. 5, 2, 114. 2, 1, 72. UGĀVAL. zu UNĀDIS. 1, 41. 42.  
54. 58. 66. 148. 149. 154 u. s. w. VOP. 2, 13. — Für निपात्य ÇĀRKH. ÇR.  
4, 14, 2 besser निपाद्य mit ÇAT. Bb. 12, 5, 2, 7. — Vgl. निपातन, निपातनीय,  
निपात्य.

— अभिनि caus. niederwerfen, herunterwerfen: केतवो ऽभिनिपात्यते  
MBh. 8, 3040. चक्रर्षाभिनिपात्याती गले गृह्य R. GORR. 2, 77, 10.

— उपनि 1) niederfliegen zu: तं हंस उपनिपत्याभ्युवादं KRĀND. Up. 4,  
7, 2. — 2) dazu eintreten: तत् सप्तविधे व्याधावुपनिपतति Suçr. 1, 89, 6.  
gelegentlich zur Erwähnung kommen 14, 6. — Vgl. उपनिपात fg. —  
Für das caus. ÇĀRKH. ÇR. 16, 3, 33 und ĀÇV. ÇR. 10, 8 wird richtiger पद्  
caus. gelesen.

— परिष्ठा P. 8, 4, 17, Sch.

— प्रणिष्ठा P. 8, 4, 17, Sch. VOP. 8, 22. प्रणयपसत् 125. sich niederwerfen.  
sich ehrfurchtsvoll verneigen vor (acc., seltener dat. und loc.): प्रणिष्ठा-  
त्य प्रसादयेत् M. 11'205. MBh. 1, 8122. प्रणिष्ठातितो ऽस्मि क्लृताय भा-  
IV. Theil.

स्कारम् 3, 459. 4, 1421. 5, 49. ARĀG. 2, 9. 4, 17. R. 1, 38, 2. 53, 15. R. GORR.  
1, 23, 13. MRĀKH. 1, 10. KUMĀRAS. 2, 8. ÇĀK. 109, 16. MĀLAV. 75. KATHĀS.  
13, 42. MĀRK. P. 18, 57. 70, 1. साष्टाङ्गपातं प्रणिष्ठात्य HIT. 54, 19. H. I. VOP.  
8. 1. गुरुं च प्रणिष्ठात्य मूर्ध्ना MBh. 4, 2121. VIKR. 3, 12. अग्रमृगपुरयोः पादौ  
प्रणिष्ठात्य MĀRK. P. 21, 104. शिरसा — प्रणिष्ठात्य पादयोः RAGH. 8, 12. प्र-  
णिष्ठात्य मृकृत्माने MBh. 7, 16. MĀRK. P. 19, 20. MADHJAM. 1. प्राणापतित-  
शिराभिः VARĀH. BRH. S. 42 (43), 60. — Vgl. प्रणिष्ठात. — caus. machen,  
dass Jmd sich niederwirft: आत्मना संकेनो प्रणिष्ठातयति MĀLAV. 39, 16.

— विनि herabfliegen, sich herabstürzen, sich niederwerfen, herab-  
stürzen, herabfallen, hinetsfallen in: विनिपतितमनोऽज्ञौश्च R. 4, 18,  
v. 1. एतं कदम्बमाहृक्ष — विनिपत्य हृदे घोरे HARIV. 3650. पादास्ते वि-  
निपत्य SĀB. D. 48, 7. तस्करा विनिपत्य (überfallend) माम् । हृतस्वमन-  
यन्बद्धा स्वपत्नीम् KATHĀS. 22, 62. — विनिपतिततुषारं R. 4, 18. HARIV.  
12547. यासां गर्भाः — व्यसवः संवत्सरान्ते विनिपतति BHĀG. P. 5, 18, 15.  
विनिपत्य विपत्तौ स्वस्तत्स्थानैर्द्राणिकात्तरे KATHĀS. 3, 33. — Vgl. विनि-  
पात. — caus. niederfallen machen, hinabwerfen, hinabschleudern: ते-  
नर्तं विनिपातितम् MĀRK. P. 73, 57. पतेयं (vom Himmel zur Erde) सत्स्वि-  
ति ध्यायन्भवत्सु विनिपातितः MBh. 5, 4065. शिरा ऽस्य विनिपात्यताम्  
werde abgehauen 1, 5279. तेषां प्राणात्तिका दण्डोऽद्वेन विनिपात्यते 1201.  
R. 4, 17, 32. अगाधपङ्के डुर्मथा विषमे विनिपात्यते MBh. 5, 1481. अक्लौ  
पापं मरुन्मूर्ध्नि त्वया मे विनिपातितम् R. GORR. 2, 73, 14. niedermachen.  
tödten, umbringen, um's Leben bringen M. 11, 127. MBh. 4, 789. 13,  
561. 1950. 4761. HARIV. 3724. 9097. R. 1, 14, 33. R. GORR. 1, 28, 19. 3, 33,  
2. 6, 8, 11. 72, 50. HIT. IV. 60. MĀRK. P. 24, 27. 66, 14. PRAB. 75, 7. बर्ध-  
मेतद्विनिपात्यमानं देहं त्वयैव प्रतिमोचितं मे MRĀKH. 172, 15. zu Fall  
bringen, zu Grunde richten, zu Schanden machen: करेन विनिपातितो  
यामि 33, 10. राज्ञसा व्यमात्मा च युगपाद्विनिपातिताः R. 6, 94, 23. मत्क-  
त्ये विनिपातिते 5, 65, 3.

— संनि 1) herabfliegen, sich herablassen, herabfallen: (शकुनौ) पृथि-  
व्यां संनिपेततुः MBh. 5, 2462. संनिपत्य मृकृत्वाः sich zur Erde herab-  
lassend R. 5, 62, 10. निर्विन्ध्यायाः — रसाभ्यतरं संनिपत्य (मेघः) MBh.  
29. (बाणाः) संनिपेतुरकुण्ठाया नागेषु च रूपेषु च MBh. 6, 2126. संन्यपत-  
न्भुवि 15, 647. HARIV. 5830. 6351. — 2) zu Grunde gehen, umkommen  
MBh. 7, 434. — 3) zusammenkommen, zusammenstossen, zusammen-  
treffen, zusammenfallen: शतशः संनिपत्य MBh. 2, 2003. गजाश्चाचलसं-  
काशाः संनिपेतुः समस्ततः HARIV. 5077. संनिपत्य प्रकृतिभिर्मातृगुप्तौ ऽभ्य-  
षिच्यत RĀGA-TAR. 3, 239. ततः संन्यपतन्सर्वे गन्धर्वाः कैारवैः सह MBh.  
3, 14899. संनिपत्य गजाविव 7, 609. अत्रराले संनिपत्य दुष्टसर्पणा सह सं-  
ग्रामं विधाय PĀNĀT. 238, 21. RĀGA-TAR. 6, 344. तेषामनेकं चेत्संनिपेतत्  
RV. PRĀT. 15, 12 (man lese संनिपेतद्वितीयम् bei REGNIER). ÇĀRKH. ÇR.  
13, 30, 2. ĀÇV. GRH. 1, 7. संनिपत्यापकारकं im Gegens. zu आराडुपका-  
रकं MADHJAM. in Ind. St. 4, 13, 6. — 4) sich darbieten: न संनिपतितं ध-  
र्म्युपभोगं यदृच्छ्या । प्रत्याचते न चाप्येनमनुरुन्ध्ये सुदुर्लभम् ॥ MBh.  
12, 6676. — Vgl. संनिपात. — caus. 1) herabwerfen, herabschleudern,  
herabschiessen, abschiessen: कृत्तं धत्तं च समरे शरान्यां संन्यपातयत् MBh.  
7, 7485. तेः शीर्षमूर्ध्नि सुसंनिपातितैः R. 5, 42, 8. Vgl. संनिपात्य. — 2) zu-  
sammenkommenlassen, versammeln, vereinigen, zusammenbringen: त्व-  
त्कृते हि मया वीर राजानः संनिपातिताः MBh. 3, 2162. RAGH. 14, 36. 15,